वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम. ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-01

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड - स

इस खण्ड में विकल्प सहित चार प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से दो का उत्तर दीजिए। शब्द सीमा 400 से 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है। 16 × 2 = 32

प्रश्न 1 सूरदास की काव्य अनुभूति पैर चर्चा करें।

अथवा

मीरा बाई पर एक निबन्ध लिखें।

प्रश्न 2 'प्रेम के पीर के रूप में घनांनद काव्य की चर्चा करें।

अथवा

भूषण के काच्य कला का मूल्याकंन करे।

प्रश्न 3 पृथ्वीराज रासो में रस योजना पर विचार करें।

अथवा

पदमावत में वर्णित विरहकरें। वर्णन की समीक्षा-

प्रश्न 4 'तुलसी समन्वयवादी कवि है को केन्द्र में रखते हुए उनके काव्य-सौन्दर्य का विश्लेषण करें।

प्रश्न 5 विद्यापति की काव्य गत विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

अथवा

कबीर के कला की विवेचना करें।

प्रश्न 6 जायसी के रहस्यवाद पर एक निबन्ध लिखें।

अथवा

तुलसी दास के काव्यानुभूति पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 7 मीरां बाई के रचनाओं का उल्लेख करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालें।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि बिहारी भक्ति, श्रृंगार की त्रिवेणी हैं।

प्रश्न 8 घनानंद द्वरा चित्रित सौन्दर्य- दृष्टि से परिचित करवाइयें।

अथवा

रीति बद्ध, रीति सिद्ध और रीतिमुक्त कवियों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9 मीरां बाई की कृष्ण के प्रति भक्ति और समर्पण भावना पर लेख लिखिए।

अथवा

"अधिकांश रीतिकालीन कवियों की कविता में लोक जीवन की अभिण्भकित का अभाव हैं किन्तु पदमाकर इसके अपवाद है। कथन की समीक्षा करें।

प्रश्न 10 'अति सूधौ प्रेम को मारग है को केन्द्र में रखकर घनांनद द्वारा चित्रित एक तरफा प्रेम जी पीर का सोहारण परिचय दें।

अथवा

सिद्ध कीजिए कि भूषण का काव्य कलात्पक दृषिट से परिपूर्ण काव्य है।

प्रश्न 11 पृथ्वीराज रासो में चंद का चरित्र कथानायक के चरित्र से उज्ज्वल है। स्पष्ट करें।

अथवा

विधापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 12 कबीर के सामाजिक विचारपक्ष का निवेचन करे।

अथवा

सप्रमाण सिद्ध करें कि पदपावन इति वृत्ताम्मक्ता ओर रसात्मकता था मणि कंचन योग हें।

प्रश्न 13 ब्रज नाम ने घनानंद को ब्रज भाषा प्रवीण और भाषा प्रवीण क्यों कहा है। इसका तर्क संगत उत्तर दे।

अथवा

भूषण की रचनाओं का परिचय दें।

प्रश्न 14 चन्दबरदायी के काव्य- सोन्दर्य का वर्णन करें।

अथवा

कबीर के काव्य में अभिव्यंजना पक्ष पर विचार रखें।

प्रश्न 15 हिन्दी प्रेमाख्यान में पदमावत की प्रेम कथा का म्या स्थान है?

अथवा

तुलसी की आत्मानुभूति के विविध पक्षों पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 16 मीरा बाई के काव्य- सोन्दर्य की समीक्षा करें।

अथवा

घनानंद की शिल्पगत प्रमुख विशेषताओं का परिचय दें।

प्रश्न 17 कबीर के काव्य का वैचारिक पक्ष क्या था?

अथवा

कबीर की भक्ति के सामाजिक संदर्भ की चर्चा करें।

प्रश्न 18 पद्मावत की प्रबंधात्मकता पर विचार प्रस्तुत करें।

अथवा

पद्मावत सजासोकित हैं या अन्योक्ति स्पष्ट करें।

प्रश्न 19 तुलसी दास के आत्मानुभूति के विविध पक्षों को स्पष्ट करें।

अथवा

तुलसी दास के शिल्प विधान पर एक निबन्ध लिखें।

प्रश्न 20 सूर के जीवन वृत की आधारभूत उपलब्ध सामग्री की उपयोगिता एवं प्रायाणिकता की परीक्ष कीजिए।

अथवा

मीरां बाई की भक्ति - निबन्ध लिखें। भावना पर एक

प्रश्न 21 सप्रसंग व्याख्या करें।

सुन्दर सुरंग नैन सोभित सोमित अनंग नंग,
अंग अंग फैलत तरंग परिमल के
बारन के मार सुकुमारि को लचत लंक,
राजै पर जंग पर भीतर महत्व के।

अथवा

सप्रसंग व्याख्या करें।

वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि वहै
लडकीली बानि आनि उर में आरति है।
वहै गति लैन, औ बजावनि ललित बैन।
वहै हंसि दैन, हियरा तों न टरति है।

प्रश्न 22 पृथ्वीराज रासों में यृद्ध एवं श्रृंगार का समावेश हुआ हें, स्पष्ट करें।

अथवा

पृथ्वीराज रासों में वर्णित प्रकृति- चित्रण की मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 23 विधापति के व्यक्तित्व और कृतित्व पर संक्षेप में विचार करें।

अथवा

विधापति के गीतिकाव्य परम्परा पर आलोचनात्मक निबन्ध लिखें।

प्रश्न 24 कबीर ने अपने काव्य में जिन उपदेशों का वर्णन किया है उन पर प्रकाश डालें।

अथवा

कबीर के सहज समाधि पर टिप्पणी लिखें।

प्रश्न 25 गोस्वामी तुसलीदास के समाज-दर्शन की विवेचना पठित पदों के अधार पर करो।

अथवा

सूरदास की तीन प्रामाणिक रचनाओं पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 26 मीरां के भक्ति - भाव पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

अथवा

मीरां के पदो के आधार बनाते हुए उनके जीवन संघर्ष का उल्लेख करें।

प्रश्न 27 बिहारी के काव्य में गागर में सागर भरने का आभास हैं इस कथन की सार्थकता स्पष्ट करें।

अथवा

बिहारी ने वियोग की जिन दशाओं का वर्णन किया है उन्हे उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

प्रश्न 28 घनानंद की भाषा पर लेख लिखे।

अथवा

घनानंद के कला पक्ष पर अपने विचा प्रस्तुत करें।

प्रश्न 29 मीरां बाई के पदो के आधार पर स्पष्ट करें कि मीरां का जीवन संघर्ष मय था।

अथवा

भूषण के काव्य का मूल्यांकन करें।

प्रश्न 30 **बिहारी के व्यकितत्व को दर्शाते हुए सिद्ध करें कि बिहारी रीति सिद्ध कवि थे।**

अथवा

घनानंद 'प्रेम के पीर के कवि है सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 31 **तुलसीदास का जीवन एवं रचनाकार व्यक्तित्व शीर्षक से एक निबन्ध लिखिये।**

अथवा

पृथ्वीराज रासो में वर्णित कथानक रूढियों पर चर्चा करें।

प्रश्न 32 **सूरदास की कविता में वर्णित श्रृंगार रस में संयोगव वियोग पक्ष की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।**

अथवा

जायसी के काव्य में रहस्यवाद की महत्व को स्पष्ट करें।

प्रश्न 33 **तुलसी के रचना कौशल की विस्तृत विवेचना करें।**

अथवा

मीरां की भाषा के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालें।

प्रश्न 34 **बिहारी द्वारा चित्रित प्रेम और सौन्दर्य का स्वरूप क्या है ?**

अथवा

रीतिकालीन कवियों में भूषण का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 35 **घनानंद के काव्य वर्णित लोकोक्ति एवं मुहावरों का विवेचन करें।**

अथवा

वीरगाथा काल की पृष्ठभूमि में पृथ्वीराजरासों की काव्य संवेदना को स्पष्ट करें।

प्रश्न 36 **कबीर के काव्य के अभिव्यंजना पक्ष को स्पष्ट करें।**

अथवा

'भूषण ने अपने काव्य से राष्ट्रीय चेतना को उजागर किया है। कथन पर विचार कीजिए।